सार मधुकेयर कैसे काम करता है:

- **रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित करता है:** यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने और शरीर के प्राकृतिक ग्लूकोज चयापचय में सुधार करने के लिए सहक्रियात्मक रूप से काम करता है।
- **अग्नाशयी स्वास्थ्य को सुधारना :** यह अग्नाशय के कार्य व्यवस्थित को बनाए रखने में मदद करता है और उचित इंसुलिन उत्पादन सुनिश्चित करता है।
- **शरीर का डिटॉक्स :** त्रिफला और नीम जैसे तत्व लीवर और पाचन तंत्र को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करते हैं।
- **चयापचय में सुधार:** यह चयापचय को उत्तेजित करने और ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा देने में मदद करता है।

उत्पाद रेंज और उपयोग दिशा-निर्देश:

कैप्सूल और टैबलेट: 1 कैप्सूल या टैबलेट दिन में दो बार या चिकित्सक के निर्देशानुसार लें।
पाउडर: 1 चम्मच पाउडर दिन में दो बार या चिकित्सक के निर्देशानुसार लें।
सिरप: आंतरिक उपचार और पाचन में मदद करता है। 15 मिलीलीटर को दिन में दो बार 50 मिलीलीटर पानी में मिलाकर या चिकित्सक की सलाह के अनुसार पानी के साथ पियें, आमतौर पर भोजन के बाद।

अधिक जानकारी या खरीदारी के लिए संपर्क करें :
वेबसाइट: www.ayurvedaindore.com
ईमेल: ayurvedaindorestore@gmail.com
व्हाट्सएप (केवल संदेश): 9827999988

निर्माता :
सार हर्बल इंदौर
एक आईएसओ और जीएमपी प्रमाणित कंपनी

सार मधुकेयर

उच्च रक्त शर्करा का आयुर्वेदिक प्रबंधन

"आहार प्रबंधन, जीवन शैली प्रबंधन और आयुर्वेद से मधुमेह का प्रबंधन संभव है"

AYURVEDA INDORE

Available online only at Ayurveda Indore Store

मधुमेह या डायबिटीस क्या है ?

मधुमेह, या डायबिटीस आयुर्वेद के अनुसार एक चयापचय संबंधी विकार है जो शरीर में ग्लूकोज (चीनी) को संसाधित करने के तरीके को प्रभावित करता है। जब हम भोजन करते हैं तब शरीर कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज में परिवर्तित कर देता है, जो हमारी कोशिकाओं के लिए ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। हालाँकि, मधुमेह में, या तो शरीर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है (टाइप 1 मधुमेह) या कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी हो जाती हैं (प्रकार 2 मधुमेह), जिससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

मधुमेह के प्रति आयुर्वेदिक दृष्टिकोण :

आयुर्वेद में, मधुमेह को मुख्य रूप से कफ दोष के विकार के रूप में देखा जाता है, जो शरीर में विकास और द्रव संतुलन को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद मधुमेह को केवल रक्त शर्करा की समस्या के रूप में नहीं बल्कि शरीर की प्रणालियों में व्यापक असंतुलन के रूप में देखता है। आयुर्वेदिक उपचार प्राकृतिक उपचार, आहार समायोजन और जीवनशैली में बदलाव का उपयोग करके इस असंतुलन को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सार मधुकेयर

सार मधुकेयर वर्षो से आजमाया हुआ मधुमेह का आयुर्वेदिक उपचार है जिसे प्राकृतिक रूप से उच्च रक्त शर्करा के स्तर को प्रबंधित करने के लिए बनाया गया है। 20 से अधिक शक्तिशाली जड़ी-बूटियों और खनिजों से निर्मित, यह मिश्रण उच्च रक्त शर्करा के मूल कारणों को लक्षित करता है और आपके शरीर की चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने में मदद करता है। प्राकृतिक अवयवों का यह अनूठा संयोजन ग्लूकोज चयापचय में सुधार करने में सहायता करता है और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

सार मधुकेयर उच्च रक्त शर्करा का प्रबंधन करने के लिए पूर्ण प्राकृतिक और सुरक्षित समाधान है।

मधुकेयर के औषधीय गुण

- **सत्व विजयसार :** इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाकर और अग्न्याशय के कार्य को समर्थन देकर रक्त शर्करा के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है।
- **सत्व त्रिफला (आंवला, हरीतकी, बिभीतकी):** एक शक्तिशाली विषहरण मिश्रण जो पाचन को बढ़ाता है, चयापचय को बढ़ावा देता है, और आँतों के स्वास्थ्य में सुधार करता है।
- **सत्व चोपचिनी :** रक्त शर्करा स्पाइक्स को नियंत्रित करने में मदद करता है और स्वस्थ चयापचय कार्य का समर्थन करता है।
- **सत्व गोक्षुरा:** किडनी के कार्य में सुधार करता है और सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है, जिससे उच्च रक्त शर्करा की जटिलताओं को प्रबंधित करने में मदद मिलती है।
- **सत्व नीम:** एक प्राकृतिक शोधक है जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने और प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद करता है।
- **सत्व कुटकी:** लिवर के विषहरण में मदद करता है और पाचन अग्नि (अग्नि) में सुधार करता है, जो ग्लूकोज चयापचय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **सत्व शिलाजीत:** एक प्रसिद्ध खनिज युक्त यौगिक, शिलाजीत ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है और चयापचय में सुधार करके रक्त शर्करा को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है।
- **सत्व गुड़मार :** "चीनी विनाशक" के रूप में जाना जाता है, यह चीनी की लालसा को कम करने में मदद करता है और इंसुलिन उत्पादन का समर्थन करता है।
- **चंद्रप्रभा वटी**: शास्त्रोक्त आयुर्वेदिक फार्मूला जो मधुमेह से संबंधित जटिलताओं के प्रबंधन में सहायता करता है और गुर्दे के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।
- **त्रिबंग:** एक खनिज-आधारित घटक जो अपने कायाकल्प गुणों के लिए जाना जाता है, त्रिबंग का उपयोग समग्र जीवन शक्ति का समर्थन करने और शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- **वृहत विघ्नेश्वर रस:** एक शक्तिशाली आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन जिसका उपयोग शरीर के चयापचय को मजबूत करने और रक्त शर्करा संतुलन बनाए रखने के लिए किया जाता है।